Badal Saraswat
@badal_saraswat · Sep 20, 2021 · 39 tweets

#काँग्रेस_के_कुकर्म

जितना हम सभी #एंटोनियो_माइनो💀 के रिमोटकंट्रोल📟 मनमोहन सिंह के बारे में समझते हैं,उतना ये सीधा है नहीं❌
इस रिमोटकंट्रोल के रहस्य ही बड़े निराले हैं...
इस रिमोटकंट्रोल के दौर के "2G घोटले" और "कोयला घोटाले"की चर्चा तो आप सभी ने सुनी ही होगी,

Read👇👇👇

1:05 PM
pmindia.gov.in/hi/former_pm/डॉ-मनमोह
खोजे
Hindi

के रूप में प्रसिद्ध है। वह अपनी नम्रता, कर्मठता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितम्बर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रान्त के एक गाँव में हुआ था। डॉ. सिंह ने वर्ष 1948 में पंजाब विश्वविद्यालय से मेट्रिक की शिक्षा पूरी की। उसके बाद उन्होंने अपनी आगे की शिक्षा ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से प्राप्त
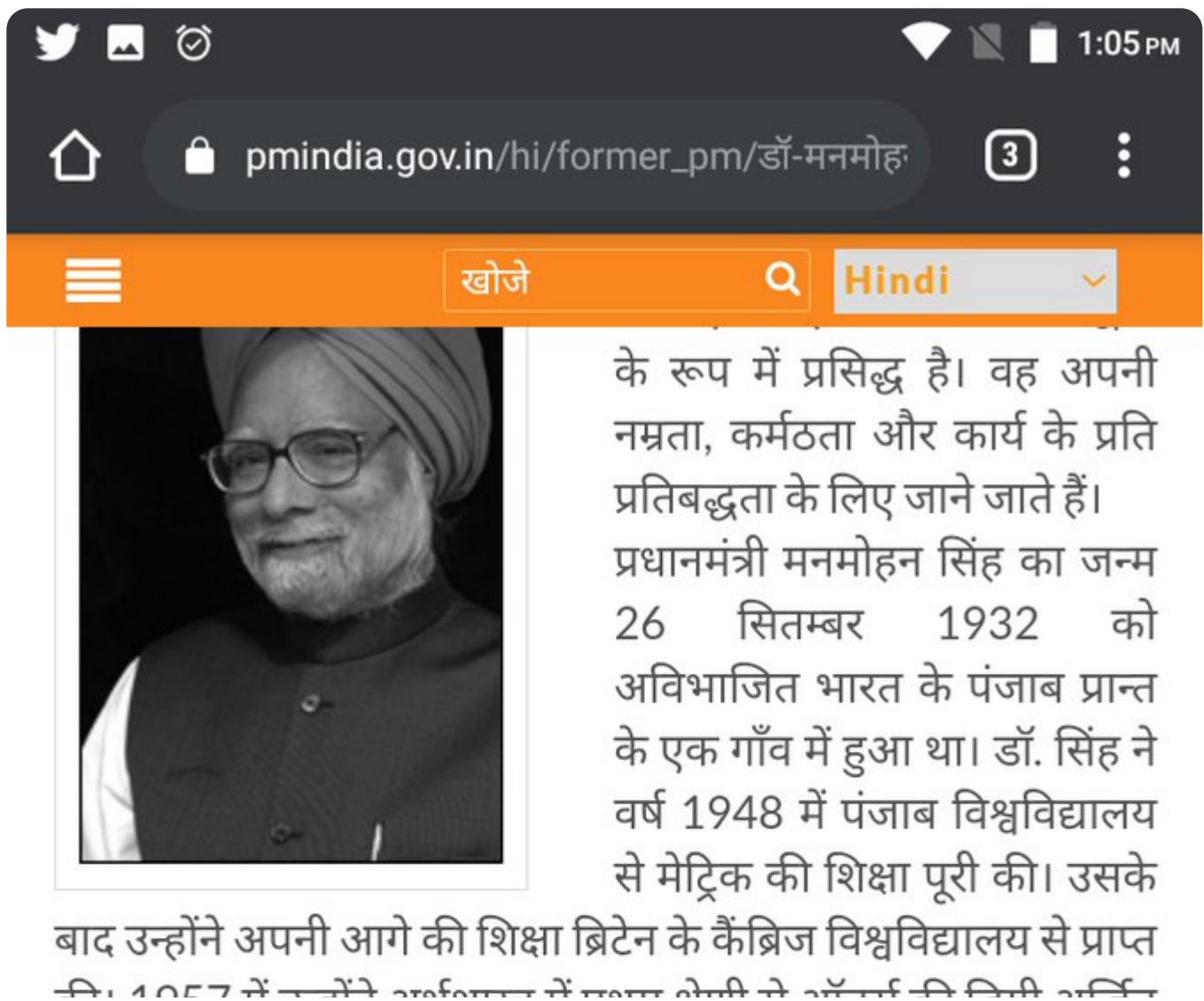
की। 1957 में उन्होंने अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी से ऑनर्स की डिग्री अर्जित की। इसके बाद 1962 में उन्होंने ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के नूफिल्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में डी.फिल किया। उन्होंने अपनी पुस्तक “भारत में निर्यात और आत्मनिर्भरता और विकास की संभावनाएं” में भारत में निर्यात आधारित व्यापार नीति की आलोचना की थी।

पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में डॉ. सिंह ने शिक्षक के रूप में कार्य किया जो उनकी अकादमिक श्रेष्ठता दिखाता है। इसी बीच में कुछ वर्षों के लिए उन्होंने यूएनसीटीएडी सचिवालय के लिए भी कार्य किया। इसी के आधार पर उन्हें 1987 और 1990 में जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव के रूप में नियुक्ति किया गया।

1971 में डॉ. सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। डॉ. सिंह ने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

२-जी स्पेक्ट्रम घोटाला

टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला, जो स्वतन्त्र भारत का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला है उस घोटाले में भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार एक लाख छिहत्तर हजार करोड़ रुपये का घपला हुआ है। इस घोटाले में विपक्ष के भारी दवाव के चलते मनमोहन सरकार में संचार मन्त्री ए० राजा को न केवल अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा, अपितु उन्हें

जेल भी जाना पड़ा। केवल इतना ही नहीं, भारतीय उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में प्रधानमन्त्री सिंह की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। इसके अतिरिक्त टूजी स्पेक्ट्रम आवण्टन को लेकर संचार मन्त्री ए० राजा की नियुक्ति के लिये हुई पैरवी के सम्बन्ध में नीरा राडिया, पत्रकारों, नेताओं और उद्योगपतियों से बातचीत के बाद डॉ॰ सिंह की सरकार भी कटघरे में आ गयी थी।

कोयला आबंटन घोटाला

मुख्य लेख: कोयला घोटाला

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में देश में कोयला आवंटन के नाम पर करीब 26 लाख करोड़ रुपये की लूट हुई और सारा कुछ प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ क्योंकि यह मंत्रालय उन्हीं के पास है।

इस महाघोटाले का राज है कोयले का कैप्टिव ब्लॉक, जिसमें निजी क्षेत्र को उनकी मर्जी के मुताबिक ब्लॉक आवंटित कर दिया गया। इस कैप्टिव ब्लॉक नीति का फायदा हिंडाल्को, जेपी पावर, जिंदल पावर, जीवीके पावर और एस्सार आदि जैसी कंपनियों ने जोरदार तरीके से उठाया। यह नीति खुद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की दिमाग की उपज थी।

इसकी धूर्तता, मक्कारी तथा इसके द्वारा की गई "मालकिन की गुलामी" के ज्यादातर वो किस्से आज जनता जानती ही है जबसे ये प्रधानमंत्री बना था,

लेकिन इसकी धूर्तता मक्कारी का काला इतिहास सिर्फ इतना ही पुराना नहीं है,बहुत पुराना है,अनगिनत बहुत से काले कारनामे

दज ह इसक पुरान खात म...

कुछ चर्चा इसके उस दौर की जब देश की अधिकतर जनता ने इसका नाम भी नहीं सुना था...

☝ मुझे ये तबसे ज्यादा बुरा लगने लगा जब इस रिमोटकंट्रोल ने कुछ दिन पहले हमारे देश के वीर साहसी सैनिकों की आत्महत्या 😢 पर संसद में बयान दिया था कि👉" ऐसे छोटे-मोटे हादसों का जिक्र संसद में ना किया करे।"

इसके इस बयान के बाद मेरे मन में सवाल उठा कि आखिर हमारे देश के प्रधानमंत्री के पद पर बैठा हुआ ये रिमोटकंट्रोल अपने देश की सेनाओं के बारे में इतना संवेदनहीन कैसे हो सकता है?
आखिर ऐसा कैसे बोल सकता है???

फिर ध्यान में आया कि"इंसान कौन-कौन सी और कैसी "गुलामी का शिकार" हो सकता है...

☝ गुलामी दो प्रकार की होती है
☝ एक "मानसिक गुलामी" और ✌ दूसरी "एहसानो में दबकर" की जाने वाली गुलामी...

इस रिमोटकंट्रोल के अतीत में से ही जवाब मिला,जब इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल (Emergency)का घटनाक्रम हुआ था...

उस समय भारत की "रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया" का पदेन निदेशक था,

मनमोहन सिंह नाम का एक नौकरशाह...

वर्ष 1977 जनतापार्टी की मोरारजी देसाई सरकार में "एच ऍम पटेल" देश के वित्तमंत्री थे और डाक्टर इन्द्रप्रसाद गोवर्धन भाई पटेल "रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया" के गवर्नर)....
उसी समय "बैक ऑफ क्रेडिट एंड कामर्स इंटरनेशनल" BCCI जिसका अध्यक्ष एक पाकिस्तानी था,

उसने भारत में अपनी व्यावसायिक शाखा खोलने के लिये आवेदन किया था...

जब "रिजर्व बैक ऑफ इंडिया" ने उसके आवेदन की जांच की तो पता चला कि "ये पाकिस्तानी बैंक काले धन को विदेशी बैंको में भेजने का काम करता है जिसे "मनी लांड्रिंग" कहते है इसलिए इसको अनुमति नहीं दी गई।"***

इस बीच रिजर्व बैक के गवर्नर "आई जी पटेल" को प्रलोभन मिला कि "अगर वो इस बैक को अनुमति देने में सहयोग करते है तो उनके ससुर और प्रख्यात अर्थशास्त्री ए.के.दासगुप्ता के सम्मान में एक अंतराष्ट्रीय स्तर की संस्था खोली जायेगी।"

लेकिन ईमानदार गवर्नर उस प्रलोभन में नहीं फंसे.इस बीच "आई जी

पटेल" की सेवानिवृत्ति का समय पास आ चुका था,
अंतिम दिनों में उनको पाकिस्तानी बैंक BCCI के मुम्बई प्रतिनिधि कार्यालय से एक फोन आया जिसमें उनसे निवेदन किया गया की वो BCCI के अध्यक्ष "आगा हसन अबेदी"" से एक बार मुलाक़ात कर ले...

RBI के गवर्नर ने इसकी अनुमति दी लेकिन मुलाक़ात से एक

दिन पहले उनके पास फोन आया कि"अब मुलाक़ात की कोई जरुरत नहीं है क्योंकि जो काम मुंबई में होना था अब वो काम दिल्ली में हो चुका है...साथ ही उनको बताया गया की वो जल्दी ही सेवानिवृत्त होने वाले है।"

समय 23-06-1980 के बाद का इंदिरा गाँधी के पुत्र संजीव गाँधी उर्फ संजय गांधी की मृत्यु*

से खाली हुए शक्ति केंद्र पर #एंटोनियो_माइनो को कब्जा होने लगा,

इस समूह में शामिल थे बी. के नेहरु जिन्हें पाकिस्तानी बैंक BCCI ने पहले से ही सम्मानित कर रखा था,(ये बी के नेहरू,नेहरू के चचेरे भाई बृजलाल नेहरू और रामेश्वरी नेहरू के पुत्र थे।)

काल खंड 15-09-1982:-भारतीय रिजर्व बैंक

के गवर्नर "आई जी पटेल" सेवानिवृत हुए और एक दिन बाद मनमोहन सिंह को "भारतीय रिजर्व बैंक" का गवर्नर बनाया गया...
CHECK👇
m.rbi.org.in/hindi/scripts/...

काल खंड 14-01-1980:- इंदिरा गाँधी फिर से देश की प्रधानमंत्री बनी केंद्रीय सत्ता के अज्ञात और अनाम समूह ने पाकिस्तानी बैंक BCCI के अध्यक्ष

"आगा हसन अबेदी" को विश्वास दिलाया था कि मनमोहन सिंह ही भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर बनेगा और शायद इसीलिये ही अध्यक्ष "आगा हसन अबेदी" ने "आई जी पटेल" से मुम्बई में अपनी मुलाक़ात केंसिल कर दी थी...

कालखंड सन 1983:- भारतीय गुप्तचर एजेंसी RAW (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के विरोध के

बाद भी पाकिस्तानी बैंक BCCI को मुम्बई में पूर्ण व्यावसायिक शाखा खोलने की अनुमति मिली जिसका मुख्यालय लंदन में था*

पाकिस्तानी मूल के नागरिक"आगा हसन अबेदी"की भारत के वित्तमंत्रालय में घुसपैठ का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता कि उसको पहले ही सूचना मिल गयी थी कि "मनमोहन सिंह ही भारतीय

रिजर्व बैंक का गवर्नर बनेगा।"
👉इस बीच ही मनमोहन की बेटी को विदेश में पढ़ाई के लिये छात्रवृत्ति की व्यवस्था हुई थी और आजकल ये रिमोटकंट्रोल की बेटी जॉर्ज सोरेश के लिए काम करती है,जो मोदीजी का कट्टर विरोधी है।👈

इस पद पर तीन साल का कार्यकाल पूरा करना था,
लेकिन इस बीच"बोफोर्स कांड"

सामने आ गया और मनमोहन ने अज्ञात कारणों से समय से पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद छोड़कर अपनी पोस्टिंग योजना आयोग में करवाई...

"बोफोर्स दलाली कांड" के खुलासे के बाद लोकसभा चुनाव के बाद बी.पी. सिंह देश के प्रधानमंत्री बने,

लेकिन इससे पहले ही मनमोहन सिंह नाम के इस नौकरशाह ने भारत

छोड़ "जिनेवा" की राह पकड़ी ली और "सेक्रेटरी जनरल एंड कमिश्नर साऊथ कमीशन" जिनेवा में पद ग्रहण किया...

काल खंड 10-11-1990:- कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर भारत के प्रधानमंत्री बने,इसी दौर में फिर से मनमोहन सिंह ने जिनेवा की नौकरी छोड़ भारत की ओर रुख किया और राजीव गाँधी के समर्थन

से बनी चंद्रशेखर सरकार में प्रधानमंत्री के "आर्थिक सलाहकार" का पद ग्रहण किया इस वक़्त देश में भुगतान संकट की स्थिति पैदा

हुई और मनमोहन की सलाह पर भारत का कई टन सोना इंग्लैण्ड की बैंको में गिरवी रखना पड़ा और जिसकी बदनामी आई प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के हिस्से में...

कालखण्ड अब "नरसिंह रावजी" के प्रधानमंत्री बनने का समय था,
कांग्रेस की अल्पमत सरकार ने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के पांच सदस्यों सहित कई सांसदों को खरीदकर अपनी सरकार बचाई...
सरकार बचाने के इस रिश्वती खेल को नाम मिला "झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड" जिसका केस भारत की अदालत में भी

चला और कुछ सांसदों को जेल जाना पड़ा...
इसी सरकार में मनमोहन सिंह नाम का नौकरशाह भारत का वित्तमंत्री बना...

👉बाद के घटनाक्रम में कभी देश के वित्तमंत्री रहे "प्रणव मुखर्जी" के सचिव के रूप में प्रणब मुखर्जी के अधीन काम करने बाले इस नौकरशाह की ताकत और तिकड़मो का अंदाज तो आप लगाईये

कि उन्ही प्रणब मुखर्जी को इस नौकरशाह की प्रधानमंत्रित्व के नीचे वित्तमंत्री के रूप में काम करना पड़ा,

जब ये रिमोटकंट्रोल मनमोहन देश का वित्तमंत्री हुआ करता था,
इस रिमोटकंट्रोल के खाते में "शेयर बाजार"का सबसे बड़ा घोटाला भी दर्ज है जिसे "हर्षद मेहता कांड" के नाम से जाना जाता है,

जिसमे देश की जनता को खरबो रुपये का चूना लगा था।

बाद के समय 2009 में इसकी सरकार बचाने के लिये एक बार फिर एक कांड हुआ जिसे देश में "कैश फ़ॉर वोट" नाम के घोटाले के रूप में जाना जाता है,

इन सब बातों के बावजूद देश के नेता तथाकथित समाजसेवी, बुद्धिजीवी और अन्ना जैसे अनशनकारी इसको

व्यक्तिगत रूप से ईमानदार होने का सार्टिफिकेट देते है और भारत का TRP का भूखा गिद्ध मीडिया भी इसको "मिस्टर क्लीन" की उपाधि देता है...

तो इसे भारत का दुर्भाग्य कहा जाए या बिडंबना इसका निर्णय आप स्वयं कीजिये...

👉BCCI SCANDAL:👈
BEHIND THE 'BANK OF CROOKS AND CRIMINALS'

By Steven Mufson and Jim McGee
Updated July 28, 1991

Read Full BCCI Scandle Case 👇 👇 👇
washingtonpost.com/archive/politi...

washingtonpost.com/archive/politi...
BCCI SCANDAL: BEHIND THE 'BANK OF CROOKS AND CRIMINALS'

मनमोहन को थी 2जी, कोयला घोटाले की जानकारी: राय

mailparmar | टाइम्स न्यूज नेटवर्क |

Updated: 12 Sep 2014, 6:59 am

Read 👇 👇 👇 navbharattimes.indiatimes.com/india/sanjay-n...

जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस का एक और कनेक्शन : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बेटी "अमृत सिंह" करती है उसके लिए काम

👇👇👇
ugtabharat.com/21794/

ugtabharat.com/21794/
जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस का एक और कनेक्शन : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बेटी करती है उसके...

THE BIGGEST FINANCIAL FRAUD: THE HISTORY OF BCCI
Updated September 26, 2019

Read 👇 👇 👇
ti-ukraine.org/en/news/the-bi...

ti-ukraine.org/en/news/the-bi...
The Biggest Financial Fraud: the History of BCCI | Трансперенсі Інтерн

👉Multibillion-dollar banking enterprise, BCCI, had shady operations in India👈

RAHUL PATHAKANIRUDHYA MITRA
September 15, 1991I
SSUE DATE: September 15, 1991
UPDATED: September 10, 2013 12:57 IST

Read👇 👇 👇
indiatoday.in/magazine/inves...

Reserve Bank Of India vs Bank Of Credit And Commerce ... on 27 February, 1992
Equivalent citations: 1993 78 CompCas 207 Bom
Author: D Dhanuka
Bench: D Dhanuka, P V Mehta
JUDGMENT D.R. Dhanuka, J.
Read👇 👇 👇
indiankanoon.org/doc/739465/

Resolution of Bank of Credit and Commerce International (Overseas) Limited

Bank of Credit and Commerce International (Overseas) Limited (BCCI) was a foreign bank incorporated in Grand Cayman Islands. The bank had presence in India in the form of a single branch at Bombay.

On surfacing of viability problems, the bank was placed under control of a receiver (Mr. Ian Wight), appointed by the Governor of the Cayman Islands by an order dated 5th July, 1991 under Section 18 of the Bankruptcy Law as applicable in the Cayman Islands.

The said order directed and authorized the appointed Receiver to take charge of the properties of the BCCI wherever situated

the BCCI wherever situated.

Read Full Riport By RBI👇👇👇
m.rbi.org.in/scripts/Public...

Great frauds in history:BCCI–Agha Hasan Abedi's dodgy bank
To all appearances,BCCI–set up by Agha Hasan Abedi–was a legitimate bank. But it was a haven of crooks and criminals, and went bankrupt owing investors $20bn.
by:Dr Matthew Partridge 27 JAN 2020
👇 google.com/amp/s/moneywee...

1993 सांसद घूसकांड: जब हेमंत सोरेन के पिता पर लगा था सबसे बड़ा दाग
झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) और इसके सुप्रीमो शिबू सोरेन (Shibu Soren) का नाम 1993 के सांसद रिश्वत कांड में खूब उछला था.
LAST UPDATED: DECEMBER 29, 2019, 18:08 IST
Read👇👇👇
google.com/amp/s/hindi.ne...

हर्षद मेहता: कहानी चार हजार करोड़ के उस घोटाले की जिसने बदल डाली शेयर बाजार की दिशा
डिंपल अलावाधी
Updated Fri, 09 Apr 2021 05:43 PM IST

Read👇👇👇
google.com/amp/s/www.amar...

विकीलीक्स खुलासे पर संसद में हंगामा
2जी घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, आदर्श घोटाला और अब कैश फॉर वोट घोटाले में नया खुलासा। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी मनमोहन सरकार एक बार फिर कटघरे में खड़ी हो गई है।
18 मार्च 2011, 09:26 AM
Read👇👇👇
m.moneycontrol.com/hi/news/articl...

कैश फॉर वोट घोटाला : अमर सिंह की बेल कल तक के लिए स्थगित By Ankur Sharma
Published:October 18 2011, 13:32 [IST]
Read 👇 👇 👇 hindi.oneindia.com/news/2011/10/1…

hindi.oneindia.com/news/2011/10/1…
कैश फॉर वोट घोटाला : अमर सिंह की बेल कल तक के लिए स्थगित

ओबामा का खुलासा! 26/11 अटैक के बाद मनमोहन ने इसलिए नहीं किया था PAK पर हमला I US president barack obama on manmohan singh and mumbai attack in his book a promised land – News18 Hindi
Updated NOVEMBER 18, 2020, 09:42 IST

ReadFullArticle 👇 👇 👇
hindi.news18.com/photogallery/w…

hindi.news18.com/photogallery/w...
ओबामा का खुलासा! 26/11 अटैक के बाद मनमोहन ने इसलिए नहीं किया था PAK पर हमला

26/11 के बाद एक्शन नहीं लेना, कमजोरी की निशानी: कॉन्ग्रेसी नेता मनीष तिवारी ने मनमोहन-सोनिया दोनों पर साधा निशाना?

#ManishTewari #mumbaiattack

hindi.opindia.com/politics/manis...